न्यायालय मोटर वाहन दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधिकरण, झाँसी

पीठासीन: श्री चन्द्रोदय कुमार, एच.जे.एस.

पंजीकरण दिनांक:	निर्णय दिनांक:	अवधि:
03/13/19	06/14/21	2 वर्ष, 3 माह, 1 दिन

MACP No. 118 of 2019

- 1- श्रीमती राजाबेटी पत्नी स्व. श्री रमेश, आयु 46 वर्ष
- 2- जितेन्द्र कुशवाहा पुत्र स्व. श्री रमेश, आयु 22 वर्ष
- 3- नितिन कुशवाहा पुत्र स्व. श्री रमेश, आयु 16 वर्ष नाबालिग जरिये माँ एवं संरक्षिका श्रीमती राजाबेटी, समस्त निवासीगण- खेरापुरा, चिरगांव, तहसील- मोठ, जिला- झाँसी

-----याचीगण

प्रति

- 1- अनुराग पुत्र श्री रमेश, निवासी- ग्राम 139 मढमऊ, थाना- बडागांव, जिला- झाँसी (चालक ट्रक संख्या- UP93BT4314)
- 2- राकेश कुमार साहू पुत्र श्री नन्दराम साहू, निवासी- 520/2, कोछाभांवर, जिला- झाँसी (स्वामी ट्रक संख्या- UP93BT4314)
- 3- चोला एम.एस. जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमि. द्वितीय तल, 4 मेरीगोल्ड, शाहनजफ रोड, लखनऊ जरिये क्लेम इंचार्ज चोला एम.एस. जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमि., श्रीराम वाटिका, हाउस संख्या- S-10/6A-11, मकबूल आलम रोड, श्रीकान्त नगर कालोनी, वाराणसी (बीमाकर्ता ट्रक संख्या- UP93BT4314)

-----विपक्षीगण

याचीगण के अधिवक्ता- श्री राजीव गुप्ता
विपक्षी संख्या एक एवं दो के अधिवक्ता- श्री राकेश साहू
विपक्षी संख्या तीन के अधिवक्ता- श्री सुनील शुक्ला

निर्णय

याचीगण की ओर से यह याचिका विपक्षीगण के विरुद्ध पृथक एवं संयुक्त रूप से धारा- 166 एवं 140 मोटर वाहन अधिनियम के अन्तर्गत मोटर वाहन दुर्घटना में रमेश कुशवाहा की मृत्यु पर ₹13,00,000 प्रतिकर एवं उस पर 12% वार्षिक दर से ब्याज दिलाये जाने हेतु योजित की गयी है।

2- याचिका के अनुसार संक्षेप में कथानक इस प्रकार है कि दिनांक 09.02.2019 को याचीगण के पति एवं पिता रमेश कुशवाहा ग्राम पंचार से दतिया शादी ट्रैक्टर में लगी टूली में बैठकर जा रहे थे। ट्रैक्टर का चालक ट्रैक्टर को सावधानी पूर्वक धीमी गति से चला रहा था। टूली में याचीगण के पति व पिता के साथ नरेन्द्र उर्फ कल्लू, राम स्वरूप, हरिमोहन उर्फ बृजमोहन सहित करीब पन्द्रह व्यक्ति सवार थे। उक्त ट्रैक्टर शाम करीब 4:30 बजे जब होण्डा एजेन्सी के सामने, ममता केशर के पास, ग्राम दिगारा पहुँचा तो उसी समय पीछे से ट्रक संख्या- UP93BT4314 अत्याधिक तेजी एवं लापरवाही पूर्वक आया और ट्रैक्टर की टूली में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी जिससे टूली पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी और टूली में बैठे सभी इधर-उधर फिक गये। उक्त घटना में आयी गम्भीर चोटों के कारण रमेश कुशवाहा, ममता की मौके पर मृत्यु हो गयी एवं नरेन्द्र उर्फ कल्लू, की दौरान इलाज मेडिकल कालेज में दिनांक 18.2.2019 को मृत्यु हो गयी एवं टूली में बैठे अन्य व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गये। उक्त घटना मात्र प्रश्रगत वाहन ट्रक संख्या- UP93BT4314 के चालक की तेजी व लापरवाही के कारण घटित हुई। उक्त घटना की सूचना याची संख्या- दो ने थाना- बडागांव में दी जिसके आधार पर विपक्षी संख्या- एक के विरुद्ध अ.सं. 26/19 अन्तर्गत धारा 279, 337, 338, 304A, 427 IPC प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीकृत हुई। याचीगण के पति व पिता रमेश कुशवाहा घटना के समय एक कुशल मिस्त्री थे और मकान बनाने के कार्य से प्रतिमाह लगभग ₹6,000 आय अर्जित करते थे, जिससे परिवार का भरण पोषण होता था परन्तु असमायिक मृत्यु हो जाने के कारण याचीगण का पूरा परिवार असहाय व लाचार हो गया है और आर्थिक रूप से दूसरों पर आश्रित हो गया है तथा याची संख्या- एक हमेशा के लिए अपने पति के सहचर्य से तथा याचीगण संख्या- दो व तीन अपने पिता के स्नेह व प्यार से वंचित हो गये हैं तथा उनका भविष्य अंधकारमय हो गया है।

3- विपक्षी संख्या- 1 एवं 2 क्रमशः अनुराग एवं राकेश कुमार साहू की ओर से जवाबदावा 20B दाखिल कर कथित घटना के तथ्यों को अस्वीकार करते हुये अतिरिक्त कथन में बल दिया गया कि याचीगण ने मनगढ़ंत कहानी बनाकर गलत तथ्यों के आधार पर केवल प्रतिकर पाने के आशय से वर्तमान याचिका योजित की है। कथित घटना में विपक्षी संख्या- दो के ट्रक चालक की कोई गलती नहीं है बल्कि सही बात यह है कि कथित ट्रैक्टर मय टूली जिसका नम्बर याचीगण ने जानबूझकर नहीं लिखा है, के चालक ने बिना कोई संकेत दिये व बिना ब्रेक

लाइट जलाये अचानक ट्रैक्टर में ब्रेक लगा दिये जिससे विपक्षीगण का ट्रक उक्त ट्रैक्टर से टकरा गया था। उक्त दुर्घटना मात्र कथित ट्रैक्टर के चालक की लापरवाही के कारण घटित हुई है। कथित घटना के समय प्रश्रगत वाहन ट्रक विपक्षी संख्या- तीन बीमा कम्पनी से विधिवत बीमित था तथा वाहन के समस्त प्रपत्र वैध थे एवं विपक्षी संख्या- एक के पास उक्त वाहन को चलाने का वैध लाइसेंस था। याचीगण ने याचिका के समर्थन में सभी आवश्यक प्रपत्र दाखिल नहीं किये हैं तथा बढ़ाचढ़ाकर प्रतिकर की याचना की है। उपरोक्त अभिकथनों के आधार पर विपक्षी संख्या- एक एवं दो की ओर से याचीगण की वर्तमान याचिका निरस्त किये जाने की याचना की गयी है।

4- विपक्षी संख्या- तीन बीमा कम्पनी की ओर से जवाबदावा 15B दाखिल कर याचीगण में उल्लिखित कथित घटना के तथ्यों से इंकार करते हुये अतिरिक्त कथन में यह उल्लेख किया है कि याचीगण ने वर्तमान याचिका झूठे तथ्यों के आधार पर योजित की है। कथित घटना के समय प्रश्रगत वाहन ट्रक के चालक के पास वैध लाइसेंस नहीं था। कथित घटना की कोई सूचना विपक्षी बीमा कम्पनी को सम्बन्धित थाने से नहीं मिली है। कथित घटना दो वाहनों के मध्य होना बताया गया है जिस कारण योगदायी/अंशदायी उपेक्षा का वाद है। दुर्घटना के समय प्रश्रगत ट्रैक्टर बीमा पॉलिसी के नियमों के विरुद्ध परिचालित किया जा रहा था जिस कारण बीमा कम्पनी की कोई जिम्मेवारी नहीं है। याचीगण ने कथित ट्रैक्टर के स्वामी व चालक को पक्षकार नहीं बनाया है। कथित घटना की रिपोर्ट सोच समझकर सात दिन बाद दर्ज कराई गयी है। याचीगण ने मृतक रमेश की आय व आयु के सम्बन्ध में कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया है।

5- उभय पक्ष के अभिवचनों के आधार पर निम्नलिखित विवाद्यक विरचित किये गये-

1. क्या याचीगण के पति एवं पिता रमेश कुशवाहा दिनांक 9.2.19 को ग्राम पंचार से दतिया शादी में ट्रैक्टर में लगी ट्राली में बैठकर जा रहे थे। ट्रैक्टर का चालक, ट्रैक्टर को सावधानी पूर्वक, धीमी गति से अपने बांये हांथ पर चलाते हुये जा रहा था तथा रमेश कुशवाहा के साथ नरेन्द्र उर्फ कल्लू, रामस्वरूप, हरिमोहन उर्फ बृजमोहन सहित करीब पन्द्रह व्यक्ति सवार थे। उक्त ट्रैक्टर सायं करीब 4:30 बजे होण्डा एजेन्सी के सामने, ममता क्रेशर के पास, ग्राम दिगारा में पहुँचा तो उसी समय पीछे से ट्रक संख्या- UP93BT4314 अत्याधिक तेजी एवं लापरवाही पूर्वक आया और ट्रैक्टर की ट्राली में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि ट्राली पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी और ट्राली में बैठे सभी व्यक्ति इधर-उधर फिक गये। दुर्घटना में आई गम्भीर चोटों के कारण रमेश कुशवाहा की मौके पर मृत्यु हो गयी?

2. क्या दुर्घटनाग्रस्त वाहन के चालक के पास दुर्घटना के समय वैध व प्रभावी ड्राइविंग लाइसेंस था; यदि हाँ, तो उसका प्रभाव?

3. क्या दुर्घटनाग्रस्त वाहन दुर्घटना के समय बीमा कम्पनी के यहाँ विधिवत रूप से बीमित था?

4. क्या याचीगण कोई क्षतिपूर्ति राशि प्राप्त करने के अधिकारी हैं; यदि हाँ, तो कितनी व किस विपक्षी से?

5. अन्य अनुतोष?

6- याचीगण की ओर से याची संख्या- दो जितेन्द्र कुशवाहा PW1 के रूप में तथा रामबाबू PW2 के रूप में परीक्षित हुये हैं तथा दस्तावेजी साक्ष्य याचीगण की ओर से सूची- 7C/1 से प्रथम सूचना रिपोर्ट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, आधार कार्ड राजाबेटी, जितेन्द्र कुशवाहा एवं नितिन कुशवाहा, प्रश्रगत वाहन ट्रक का पंजीयन प्रमाण पत्र, परमिट, फिटनेस, बीमा पालिसी, चालक अनुज्ञा पत्र, परिवार सदस्य का विवरण की प्रतियाँ, सूची- 26C से प्रथम सूचना रिपोर्ट, आरोप पुत्र, नक्शा नजरी, यांत्रिक परीक्षण रिपोर्ट ट्रक एवं ट्रैक्टर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आदि की सत्यापित प्रतियाँ, सूची-27C से MACP No. 117/19, 206/19, 239/19, 280/19, 279/19 में न्यायालय द्वारा पक्षकारों के मध्य हुये राजीनामा के आधार पर पारित आदेश दिनांकित 1.11.2020 की छाया प्रतियाँ दाखिल की गयीं हैं।

7- इसके विपरीत विपक्षी संख्या- एक एवं दो की ओर से मौखिक साक्ष्य के रूप में किसी साक्षी को परीक्षित नहीं किया गया अपितु प्रलेखीय साक्ष्य के रूप में सूची- 21C से प्रश्रगत वाहन ट्रक का पंजीयन प्रमाण पत्र, परमिट, फिटनेस, बीमा पालिसी एवं चालन अनुज्ञा पत्र की छाया प्रतियाँ दाखिल की गयीं हैं।

8- मैंने उभय पक्ष की ओर से वर्चुअल कोर्ट में उपस्थित विद्वान अधिवक्ता के तर्कों को विस्तार पूर्वक सुना तथा पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य का सम्यक परिशीलन एवं मूल्यांकन किया।

निष्कर्ष

9- **निस्तारण विवाद्यक संख्या- एक**

याचिका में वर्णित घटना के तथ्यों को साबित करने के लिए याचीगण की ओर से स्वयं याची संख्या- दो जितेन्द्र कुशवाहा जो कथित घटना में मृतक बताये गये रमेश कुशवाहा का पुत्र बताया गया है, ने बतौर साक्षी PW1 अपने स-शपथ बयान की मुख्य परीक्षा में याचिका में वर्णित दुर्घटना के तथ्यों का पूर्ण समर्थन किया है तथा दुर्घटना में अपने पिता को आयी गम्भीर चोटों के कारण मौके पर ही उनकी मृत्यु हो जाना बताया है तथा कथन किया है कि कथित घटना मात्र प्रश्रगत वाहन ट्रक के चालक विपक्षी संख्या- एक द्वारा ट्रक को तेजी व लापरवाही से चलाकर कथित ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से टक्कर मार दिये जाने के कारण घटित हुई है। इस साक्षी ने अपनी प्रतिपरीक्षा में स्पष्ट रूप से दुर्घटना को स्वयं देखे जाने से इंकार कर दिया है। इस साक्षी से की गयी प्रतिपरीक्षा में ऐसा कोई तथ्य नहीं आया है

जिससे इसकी विश्वसनीयता पर पर संदेह होता हो। PW2 रामबाबू जिसे कथित घटना का चक्षुदर्शी बताया गया है, के द्वारा अपनी साक्ष्य में दुर्घटना का वर्णन करते हुये दुर्घटना ग्राम दिगारा में होण्डा एजेन्सी के सामने ममता क्रेशर के पास प्रश्रगत ट्रक के चालक द्वारा अपने वाहन को तेजी व लापरवाही से चलाते हुये कथित ट्रैक्टर की टाली जिसमें अन्य व्यक्तियों के साथ रमेश कुशवाहा भी बैठा था, में पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया जाना तथा उक्त घटना में आयी गम्भीर चोटों के कारण रमेश कुशवाहा की मौके पर मृत्यु हो जाना बताया है। इस साक्षी से भी की गयी प्रतिपरीक्षा में ऐसा कोई तथ्य नहीं आया है जिससे इसकी विश्वसनीयता पर पर संदेह होता हो। उक्त के अतिरिक्त याचीगण की ओर से सूची- 27C से MACP No. 117/19, 206/19, 239/19, 280/19, 279/19 में पक्षकारों के मध्य हुये राजीनामा के आधार पर इसी न्यायाधिकरण द्वारा पारित आदेश दिनांकित 01.11.2020 की प्रतियाँ दाखिल की गयीं हैं जिनमे स्वयं विपक्षी संख्या- तीन बीमा कम्पनी द्वारा इसी दुर्घटना में घायल हुए लोगों व मृतक हुए लोगों के परिजनों को प्रतिकर दिया गया है। दुर्घटना के एक सप्ताह बाद पंजीकृत कराई गई प्रथम सूचना रिपोर्ट में रमेश कुमार की दुर्घटना में मृत्यु हो जाने का उल्लेख है। नक्शा नजरी से PW2 के साक्ष्य का समर्थन होता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व विवेचनाधिकारी द्वारा पश्चात विवेचना ट्रक संख्या- UP93BT4314 के चालक के विरुद्ध आरोप पत्र अन्तर्गत धारा 279, 337, 338, 304A, 427 IPC से भी ट्रक संख्या- UP93BT4314 के चालक की लापरवाही के कारण दुर्घटना घटित होना और उक्त दुर्घटना में याचीगण के पति व पिता रमेश कुशवाहा को आयी गम्भीर चोटों के कारण मृत्यु हो जाने का तथ्य स्पष्ट हो जाता है। बीमा कम्पनी की ओर से दिये गये समस्त तर्क विबंध (estoppel) के सिद्धांत से बाधित हैं क्योंकि उनके द्वारा अन्य दावेदारों को प्रतिकर दिया जा चुका है। इस प्रकार वाद बिंदु सं. 1 सकारात्मक रूप से निर्णीत किया जाता है।

10- निस्तारण विवाद्यक संख्या- दो

पत्रावली पर उपलब्ध वाहन ट्रक संख्या- UP93BT4314 के चालक अनुराग के विरुद्ध विवेचनाधिकारी द्वारा आरोप पत्र प्रस्तुत किया गया है। अनुराग के अनुज्ञा पत्र प्रपत्र सं. 21C-1/6 के अवलोकन से विदित होता है कि उक्त चालक अनुज्ञा पत्र दिनांक 29.11.2016 को निर्गत किया गया है तथा दिनांक 28.11.2036 तक नॉन ट्रान्सपोर्ट एवं दिनांक 5.3.2021 तक ट्रान्सपोर्ट वाहन चलाने लिए वैध एवं प्रभावी है। इस चालक अनुज्ञा पत्र के खंडन में कुछ भी प्रस्तुत नहीं किया गया है। अतः यह साबित है कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन ट्रक के चालक के पास दुर्घटना के समय वैध व प्रभावी ड्राइविंग लाइसेंस था। तदनुसार विवाद्यक संख्या- दो सकारात्मक रूप से निर्णीत किया जाता है।

11- निस्तारण विवाद्यक संख्या- तीन

वाहन ट्रक संख्या- UP93BT4314 की बीमा पॉलिसी के अवलोकन से स्पष्ट है कि ट्रक संख्या- UP93BT4314 की बीमा पॉलिसी दिनांक 15.11.2018 से 14.11.2019 तक वैध एवं प्रभावी है। इस पॉलिसी के खंडन में कुछ भी प्रस्तुत नहीं किया गया है। अतः यह साबित है कि दुर्घटना की दिनांक 09.02.2019 को वाहन ट्रक विपक्षी संख्या-तीन बीमा कम्पनी में विधिवत बीमित था। तदनुसार विवाद्यक संख्या- तीन सकारात्मक रूप से निर्णीत किया जाता है।

12- निस्तारण विवाद्यक संख्या- चार

यह विवाद्यक प्रतिकर निर्धारण से सम्बन्धित है। चूँकि विवाद्यक संख्या- एक, दो व तीन सकारात्मक रूप से निर्णीत किये गये हैं अतः प्रस्तुत प्रकरण में क्षतिपूर्ति अदायगी का दायित्व विपक्षी संख्या- तीन बीमा कम्पनी पर है। अब प्रश्न उत्पन्न होता है कि याचीगण विपक्षी संख्या- तीन से कितनी क्षतिपूर्ति प्राप्त करने की अधिकारी हैं? याचिका में याचीगण ने कथित घटना के समय अपने पति एवं पिता रमेश कुशवाहा को मकान बनाने का कुशल मिस्त्री बताते हुये प्रतिमाह ₹6,000 आय अर्जित करना बताया है जिसका समर्थन PW1 ने मुख्य परीक्षा में तो किया है किंतु प्रतिपरीक्षा में उसने कहा है कि वह महीने में ₹3000-4000 कमाता था। उसके पिता जी भी महीने में ₹3000-4000 कमाते थे। कभी काम मिलता था कभी नहीं। कभी आमदनी ₹1000-2000 भी हो जाती थी। इस साक्षी ने यह स्वीकार किया है कि उसका विवाह हो चुका है और उसके 4-5 महीने की पुत्री है किंतु उसने इस सुझाव से इंकार किया है कि वह अपने पिता पर आश्रित नहीं था। यह सुस्थापित विधि है कि प्रतिकर तर्कसंगत होना चाहिए। बीमा कम्पनी ने इसी दुर्घटना में एक अन्य मृतक के आश्रितों को समझौते के आधार पर ₹8,00,000 बतौर प्रतिकर दिया है। विधि व्यवस्था [लक्ष्मी देवी एवं अन्य बनाम मोहम्मद तब्बर एवं अन्य \(25.3.2008-SC\):MANU/SC/7368/2008](#) में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा अकुशल मजदूर के लिए 12 वर्ष पूर्व ₹100 प्रतिदिन की मजदूरी उचित मानी है। विधि व्यवस्था [चन्द्रावती बनाम सुशील कुमार एवं अन्य \(01.8.2018-ALLHC\):MANU/UP/2954/2018](#) में माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा अकुशल मजदूर के लिए ₹200 प्रतिदिन की मजदूरी उचित मानी है। उल्लेखनीय है कि भारत में असंगठित क्षेत्र के कार्मिक को पूरे वर्ष रोजगार नहीं मिलता है। वास्तव में कल्पित आय एक अनुमान है जो काल, स्थान व परिस्थितियों पर आधारित होता है। माह में औसतन चार दिन कार्य न लग पाने की सम्भावना रहती है। इन तथ्यों व परिस्थितियों में मृतक रमेश कुशवाहा को दुर्घटना के समय अकुशल मजदूर मानते हुये प्रतिदिन की कल्पित आय ₹180 निर्धारित की जाती है।

13- याचिका में कथित घटना के समय मृतक की आयु 47 वर्ष दर्शित की गयी है। पत्रावली पर याची की ओर से मृतक की आयु को साबित करने के लिए कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है परन्तु पत्रावली पर उपलब्ध मृतक रमेश कुशवाहा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक की आयु

कथित घटना के समय लगभग 45 वर्ष अंकित की गयी है। ऐसी स्थिति में प्रतिकर निर्धारण हेतु कथित घटना के समय मृतक रमेश कुशवाहा की आयु 45-47 वर्ष निर्धारित किया जाना न्यायोचित है।

14- विधि व्यवस्था **नेशनल इश्योरेंस कम्पनी लिमि. बनाम प्रणय सेठी एवं अन्य (31.10.17-SC): MANU/SC/1366/2017** के अनुसार 46 से 50 वर्ष आयु वर्ग के लिए प्रतिकर निर्धारण हेतु 13 का गुणांक प्रयोज्य है तथा 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए 25% भविष्य की प्रत्याशा में वृद्धि, मृतक के आश्रितों की संख्या तीन होने की दशा में उसकी आय से 1/3 भाग की कटौती तथा सहचर्य की क्षति के लिए ₹40,000, सम्पदा की क्षति के लिए ₹15,000 एवं दाह संस्कार के लिए ₹15,000 निर्धारित किये गये हैं।

15- उपरोक्तानुसार याचीगण को प्रदान की जाने वाली प्रतिकर की राशि की गणना निम्नवत है-

वर्ष के माह	180	30	12	64800
भविष्य प्रत्याशा (प्रतिशत में)			25	16200
स्वयं पर खर्च (भाग में)			3	27000
स्वयं पर खर्च घटाने पर (गुण्य)				54000
गुणक			13	702000
वैवाहिक साहचर्य की क्षति			40000	742000
संपदा की क्षति			15000	757000
अंतिम संस्कार पर खर्च			15000	772000
कुल क्षतिपूर्ति				772000

इस प्रकार प्रतिकर की कुल धनराशि ₹7,72,000 आती है। उक्त के अतिरिक्त प्रतिकर की सम्पूर्ण धनराशि पर विधि व्यवस्था **नेशनल इश्योरेंस कम्पनी लिमि. बनाम मन्नत जोहल एवं अन्य (23.4.19-SC):MANU/SC/0589/2019** में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए दिशा निर्देश के आलोक में 7.5% वार्षिक दर से साधारण ब्याज याचिका योजित करने की तिथि से वास्तविक भुगतान की तिथि तक याचीगण को दिलाया जाना तथा विधि व्यवस्था **एम आर कृष्णामूर्ति बनाम द न्यू इंडिया इश्योरेंस कम्पनी एवं अन्य (05.03.2019-SC):MANU/SC/0321/2019** में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए दिशा निर्देश के आलोक में क्षतिपूर्ति की धनराशि में से वार्षिकी प्राप्त करने की योजना बनाया जाना न्यायोचित होगा। मेरे विचार से कुछ धनराशि नगद भी दिया जाना न्यायोचित होगा। तदनुसार विवाध्यक संख्या-चार निर्णीत किया जाता है।

16- **निस्तारण विवाद्यक संख्या- पाँच**

यह विवाद्यक अन्य अनुतोष से सम्बन्धित है। वर्तमान याचिका में विधिनुसार याचीगण को समुचित प्रतिकर राशि प्रदान की जा चुकी है। ऐसी स्थिति में याचीगण को कोई अन्य अनुतोष प्रदान किया जाना औचित्यहीन होगा। तदनुसार विवाद्यक संख्या- पांच निर्णीत किया जाता है।

आदेश

याचीगण की याचिका विपक्षीगण 1 व 2 के विरुद्ध संयुक्त एवं पृथक रूप से क्षतिपूर्ति ₹7,72,000 (सात लाख बहत्तर हजार) हेतु स्वीकार की जाती है। विपक्षी सं. 3 चोला एम.एस. जनरल इश्योरेंस कम्पनी लिमि. को आदेशित किया जाता है कि वह क्षतिपूर्ति की प्रतिपूर्ति मय 7.5% साधारण वार्षिक ब्याज याचिका योजित किये जाने की तिथि से वास्तविक भुगतान की तिथि तक, इस निर्णय के दिनांक से 60 दिन के अन्दर न्यायाधिकरण के पंजाब नेशनल बैंक के खाता संख्या-3671000101192489 (IFSC: PUNB0367100) में RTGS/NEFT के माध्यम से जमा किया जाना सुनिश्चित करे। याचीगण सं. 1, 2 व 3 इस धनराशि में से क्रमशः 50%, 20% व 30% भाग प्राप्त करेंगे जिसमें से याचीगण सं. 1, व 2 को प्राप्त होने वाली धनराशि की में से 75% प्रत्येक की 5 वर्ष की वार्षिकी बनाई जाएगी एवं 25% प्रत्येक के बैंक खाते में इलेक्ट्रॉनिक मोड से स्थानांतरित की जाएगी। याची सं. 3 की समस्त धनराशि की वार्षिकी 5 वर्ष के लिए बनाई जाएगी जिससे याची सं. 3 के वयस्क होने तक प्राप्त होने वाली आय उसकी संरक्षिका व माँ श्रीमती राजाबेटी प्राप्त करेंगी जो कि याची सं. 3 के वेलफेयर पर खर्च की जाएगी और याची सं. 3 के वयस्क हो जाने के पश्चात वह वार्षिकी से प्राप्त आय स्वयं प्राप्त करेगा।

दिनांक:14.06.2020

(चंद्रोदय कुमार)

मोटर वाहन दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधिकरण
झाँसी

उक्त निर्णय आज मेरे द्वारा खुले न्यायालय में हस्ताक्षरित एवं दिनांकित करके उद्घोषित किया गया।

दिनांक:14.06.2020

(चंद्रोदय कुमार)

मोटर वाहन दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधिकरण
झाँसी